आइडिया को मिलेगी गति, स्टार्टअप कंपनी बना सकेंगे विद्यार्थी

जागरण संवाददाता • लखनऊ: प्रदेश में इनोवेशन और स्टार्टअप को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी तकनीकी विश्वविद्यालयों में इनोवेशन सेंटर स्थापित करने का निर्देश दिया है। इन केंद्रों के माध्यम से युवाओं को नवाचार और उद्यमिता की ओर प्रेरित किया जाएगा। डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अभी कुछ दिन पहले विश्वविद्यालय की वित्त समिति ने 100 करोड़ रुपये के इनोवेशन निधि बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निधि से छात्रों को उनके इनोवेशन और स्टार्टअप के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

एकेटीयू ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन इनक्युबेशन का लक्ष्य रखा है। इसके तहत प्रदेशभर में 300 इन्क्युबेशन सेंटर स्थापित किए जाने हैं, जिनमें से 100 प्री-इनक्युबेशन सेंटर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। इन केंद्रों के जरिए छात्रों को स्टार्टअप और इनोवेशन में करियर बनाने के लिए प्रशिक्षित और प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में पहली बार स्टार्टअप को सीधा समर्थन देने के लिए कलाम पेटेंट सेंटर स्थापित किया जा रहा है। इस केंद्र के जरिए छात्रों के आइडिया पर निश्शुल्क और बिना किसी पूर्ति के पेटेंट की सुविधा दी जाएगी। विश्वविद्यालय ने इसके साथ ही स्टूडेंट-फैकल्टी इनोवेशन पालिसी तैयार की है। इसके तहत 200 आइडिया को कामर्शियल बनाने और 500 पेटेंट फाइल करने की योजना है। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि छात्रों के स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। इससे इनोवेशन हब और इनक्युबेशन सेंटर से कई स्टार्टअप सफलता की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

शोध के लिए मिला अनुदान

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) ने लवि के अर्थशास्त्र विभाग के दो शोधार्थियों को शोध के लिए अनुदान दिया है। प्रो. मनोज अग्रवाल ने बताया कि शोधार्थी संदीप देसवाल को ए स्टडी आन इकोनामिक ग्रोथ एंड रेवेन्यू मोबलाइजेशन इफिशिएंसी एमंग द मेजर इमर्जिंग स्टेट्स आफ इंडिया और शोधार्थी नित्या गुप्ता को ए स्टडी आफ द रोल आफ टायज इंडस्ट्री इन फारेन ट्रेड आफ इंडिया विषय पर शोध के लिए भी दो साल तक 20 हजार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे।